

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

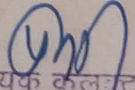
नया  
अहकाम  
हुक्म की  
में जारी हुए

12/1/22

पत्रावली पेश हुई।  
अतः हम दोनों पक्षों के कामों  
में बाधा है। अतः इत्तवा होकर  
पत्रावली आइन्दा... श्री श्री श्री

29/08/22

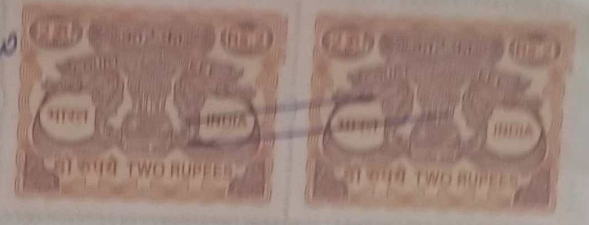
पत्रावली राज पेश हुई। वाही व वाही  
के अधिकारता अनुपस्थित वाही व  
वाही के अधिकारता को कोर्ट  
समक्ष में तीन बार तीन-तीन आवेदन  
दिले गये। अतः कोर्ट कोर्ट कोर्ट  
के वाही व वाही के अधिकारता  
अनुपस्थित अतः उक्त उक्त  
प्रकरण वाही श्री राज शाही व  
राज प्रेसी के शकिक विदित जाया  
है। पत्रावली निर्दिष्ट हुक्म हीका  
दोरफिल इफतर हो।

  
सहायक कलेक्टर  
SDO (गुडामालान्धे)



का काम का  
न की ताकत  
जारी हुए

10/12/20



॥श्री॥

सेवामें,

श्रीमान न्यायालय सहायक कलक्टर महोदय,  
गुडामालानी ।

वादी :-

1. जैरूपाराम पुत्र श्री फगलुराम उम्र 46 वर्ष  
कौम विश्णोई साकिन धोलीनाडी  
तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर ।

बनाम

प्रतिवादीगण :-

1. हरुराम उर्फ हरीराम उर्फ हीराराम पुत्र श्री फगलुराम उम्र 50 वर्ष
2. जैकनराम उर्फ जयकिशन उर्फ जैकिशन पुत्र श्री फगलुराम उम्र 44 वर्ष  
जाति विश्णोई निवासी धोलीनाडी तहसील गुडामालानी
3. शाखा प्रबन्धक एस बी आई बैंक शाखा गुडामालानी ।
4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुडामालानी

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 53 ,88 188 रा0 का0 अधिनियम

महोदयजी

वादी का वाद निम्न प्रकार से है :-

1. कि वादी एवं प्रतिवादीगण के नाम का सयुक्त खातेदारी के खेत जिला बाडमेर  
तहसील गुडामालानी पटवार मण्डल बेरीगाव के ग्राम पनावली के खेत खसरा नम्बर  
2/8 रकबा 10-03 बीघा किस्म बारानी सोयम व मौजा धोलीनाडी के खेत खसरा  
नम्बर 94/2 रकबा 13-08 बीघा किस्म बारानी सोयम तथा खसरा संख्या 88/13

जैकनराम

रकबा 11-10 बीघा किस्म बारानी सोयम , खसरा संख्या 88/16 रकबा 2-12 बीघा किस्म बारानी सोयम खसरा नम्बर 83 रकबा 0-03 बीघा किस्म गैर मु0 बेरी खसरा संख्या 88/9 रकबा 6-06 बीघा किस्म बारानी सोयम खसरा नम्बर 88/7 रकबा 3-19 बीघा किस्म बारानी सोयम का आया हुआ है । उपरोक्त विवादित आराजी के पक्षकारान रेकर्डेड खातेदार है जिसमे वादी का 1/3 हिस्सा तथा शेष हिस्सा है तथा शेष हिस्सा प्रतिवादीगण का है । जिसकी नकल जमाबंदी चौशाला एवं नक्शा ट्रेस की संवत् 2072-2075 की प्रमाणित प्रति सलग्न है ।

2. कि वादी का उपरोक्त वादग्रस्त आराजी मे अपना 1/3 हिस्सा प्रतिवादी खातेदार से जरिये विभाजन घोषणा घोषित करवाना चाहता है । वादी एवं प्रतिवादी विवादीत आराजी के रेकर्डेड खातेदार है इसलिए यह वाद घोषणा का श्रीमानजी के समक्ष पेश है । वादी एवं प्रतिवादी का मौके पर बहिस्सा बराबर कब्जा काशत है । तथा इसी कब्जे के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी के बिच में बहामी तोर से बंटवारा किया हुआ है । तथा वादी के उपरोक्त विवादित आराजी मे प्रत्येक खसरे मे मौके कब्जे अनुसार काबिज है तथा अपने कब्जे काशत अनुसार वादी प्रत्येक खसरे मे अपने हिस्से की घोषणा करवाना चाहता है तथा वादी के हिस्से मे आई रेकर्ड अनुसार भूमि का विभाजन करवाकर अपने हिस्से की घोषणा करवाना चाहते है । इस हेतु उक्त वाद वास्ते विभाजन का श्रीमानजी की सेवा मे पेश है ।
3. कि वादी का शुरु से लेकर आज दिन तक वादग्रस्त खेत में अपने हिस्से की भूमि पर कब्जा काशत है वर्तमान में जमीनो की किमतो में अंधाधुन्ध वद्धि हो जाने की वजह से विप्रार्थीगण की नियत मे खोट आ जाने से वादग्रस्त भूमि जो हम वादीगण के कब्जे काशत मे है उसको प्रतिवादी ने बेचान करने की धमकीया दी तथा वादी को जबरन बेदखल करने की है ऐंसी स्थिति में वादी के पक्ष मे तथा प्रतिवादीगण के विरुद्ध इस आशय की स्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने का अधिकारी है कि जब उक्त वाद का निस्तारण न हो तब तक प्रतिवादी वादग्रस्त खेत मे किसी भी भुभाग का व हस्तान्तरण किसी अन्य को न करे तथा जबरन वादीगण को उसके हिस्से बेदखल नही करे तथा रेकर्ड व मौके की यथास्थिति बनाये रखे जिस हेतु स्थाई निषेधाज्ञा का वाद पत्र प्रस्तुत है ।